

बजकर बीस मिनट हुए हैं।

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान:** तो इसका मतलब ऊ: मिनट हो गए।

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापरडे):** आप अन्दाजा लगाएँ कि मैंने आपको समय दिया या नहीं दिया।

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान:** मैडम, मैं चाहता तो वह था कि मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म करके इस पर दो मिनट का मौन रखूँ। हमें इस बात को देखना चाहिए कि इतनी सनसनीखेज जो घटनाएँ घटती हैं उनके ऊपर शोक कर सकें। लेकिन फिर भी मैं आधे मिनट के लिए तो इस बात के लिए शोक व्यक्त करना चाहूँगा, क्योंकि समय की कमी की वजह से अपने ही समय में से आधे मिनट के लिए मुझे इजाजत दे दीजिए कि मैं अपने ही देश में घटी हुई इतनी सनसनीखेज घटनाओं के ऊपर आधे मिनट के लिए शोक कर सकूँ।

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापरडे):** पर ऐसे आप शोक तो नहीं कर सकेंगे, क्योंकि ऐसी तो परम्परा नहीं है अपने सदन में।

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान:** मैडम...(जबबान)...

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापरडे):** मान साहब, देश में तो ऐसी किस्ती घटनाएँ होती हैं। हर घटना के लिए हर सभासद वहाँ पर शोक व्यक्त करना चाहेगा तो मुश्किल हो जाएगी।

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान:** यह हजारों लोगों में घटना घटी है और ऐसा हुआ है।...(जबबान)...

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापरडे):** मान साहब, आपने जो बोला है उनके प्रति यही तो बहुत बड़ा आदर उनके प्रति व्यक्त किया है, यही श्रद्धांजलि उनके लिए दी है।

**श्री भूपेन्द्र सिंह मान:** मैंने शोक व्यक्त कर दिया, आपने इनके लिए समय दिया। धन्यवाद।

**SHRI RAM JETHMALANI** (Maharashtra): May I have your permission to share my friend's anguish publicly and associate myself and express my agreement with every word he has said. It is a blot on the reputation of this country that a thing like this should happen and I hope some responsible statement from some member of the Cabinet, who will get up and say that it will atone for this mighty sin, will come.

**SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR**

(Assam): Madam, May I have your permission to associate myself with my friends Mr. Mann and submit that this is a violation of human rights of an extensive scale. It is not only happening in Punjab. It is happening in my State, Assam, also. Boys are missing after they are taken into custody.

**THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE):** You told me that you would like to associate yourself with Mr. Mann. Now we are in Punjab. Why are you bringing in your State of Assam here?

**SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR** (Assam): This is a violation of human right.

**THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE):** I won't allow this kind of a statement because I need a separate notice for this.

Shri Maheshwar Singh.

**Need to provide funds to Himachal Pradesh Government for Repairing Highways**

**श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश):** उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने आपको सौभाग्यमाली मानकर चल रहा हूँ कि जब मैं भूतल परिवहन संबंधी एक मामला उठा रहा हूँ तो माननीय मंत्री महोदय यहाँ बिराजमान हैं। मुझे विश्वास है कि मंत्री महोदय ध्यानपूर्वक मेरी बात सुनें। महोदय, जैसा कि आपको विदित ही है कि कुस्लू मनाली उत्तर भारत का एक बहुत ही रमणीय स्थल है जो कि देव भूमि के नाम से सर्वविदित है और जाना जाता है और वहाँ विदेशी ही नहीं बल्कि स्वदेशी पर्यटक भी लाखों की संख्या में हर साल आते हैं। महोदय, गत वर्ष...(जबबान)

**THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE):** Mr. Minister, the hon. Member is saying something about your own Ministry. Please carefully listen him.

**श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश):** मंत्री जी, आपको धन्यवाद दिया है कि आप यहाँ पर उपस्थित हैं।

**श्री महेश्वर सिंह:** महोदय, गत वर्ष भारी वर्षा के फलस्वरूप और व्यास में बाढ़ आने के फलस्वरूप मनाली का क्षेत्र जो कि केवल 21 नं. नेशनल हाईवे से देश के बाकी भागों से जुड़ा है, वह कट गया था। लगभग दस किलो मीटर सड़क बह गई थी और आज एक साल बीत जाने पर भी न तो हिमाचल सरकार और न ही भारत सरकार सड़क को ठीक करने में आज तक सफल हो पाई

है। मैंने यह मामला तब भी उठाया था जब कुछ समय के लिए हमारी सरकार बनी थी। उस समय के प्रधान मंत्री महोदय को मैंने इस विषय के बारे में अवगत कराया था। मैं आभारी हूँ कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने व्यक्तिगत रुचि लेकर सारे मामले की रिपोर्ट मंगवाई थी और मैं वोट करना चाहूँगा। उसमें लिखा था-

"For the complete restoration of National Highway No. 21, the preliminary estimate of funds made by the Government of Himachal Pradesh

बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि इस प्राकलन के आने के बावजूद भारत सरकार केवल 5 करोड़ रुपया इस सड़क के निर्माण के लिए दे पाई है। फलस्वरूप आज भी यह सड़क थोड़ी भी वर्षा हो तो बंद हो रही है। यह ऑल वेदर रोड नहीं है। मैं यह भी आपके माध्यम से मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहूँगा कि उत्कालीन प्रधान मंत्री ने बड़े स्पष्ट निर्देश दिए थे और यह फाइल पर लिखा गया था— was Rs. 30 crores".

"The RM. has seen. He desires its expeditious execution so that the Kullu-Manali road is opened as soon as मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहूँगा कि शेष जो 25 करोड़ रुपया है, वह जल्दी से जल्दी हिमाचल प्रदेश सरकार को दिया जाए और हिमाचल प्रदेश सरकार को इस बात के लिए बाध्य किया जाए कि जल्दी से जल्दी इस सड़क की मरम्मत कराएँ क्योंकि एक तरफ तो टूरिस्ट सीजन है और दूसरी तरफ जैसा कि आपको विदित ही है महोदय कि इस समय फ्रूट सीजन भी ज़ोरों पर है और अगर बार-बार यह सड़क अवरुद्ध होती रही तो फल-उत्पाद को भी भारी क्षति का सामना करना पड़ेगा। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि मंत्री महोदय इस ओर ध्यान देंगे।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम, एक प्वाइंट है मेरा। जहां तक इस रास्ते के पुनर्निर्माण की बात है, मैं इससे पूरी सहमति व्यक्त करता हूँ और ऐसोसिएट करता हूँ लेकिन जो इन्होंने फाइल नोटिज में से क्वोट किया, उत्कालीन प्रधान मंत्री के कमेंट को फाइल से क्वोट किया, या तो उनको स्पेर्स बताना चाहिए था या फिर उसे टेबल पर रखना चाहिए था। ऑफिशियल सीक्रेसी ऐक्ट के मुताबिक वे ऐसा नहीं कर सकते हैं। फाइल की नोटिज वे कैसे सदन में क्वोट कर रहे हैं? हमें ज़रूर इसके बारे में बताइए। इन्हें सोर्स बताना चाहिए था कि कहां से इनको यह जानकारी मिली?

possible".

الاشرف محمد سليم: میڈم - ایک پوائنٹ ہے میرا۔ جہاں تک اس درمیتے کے دو بارہ بیٹنے کی بات ہے اس سے پوری طرح سے آمادگی کا اظہار کرتا ہوں اور ایسوسی ایٹ کرتا ہوں لیکن جو انہوں نے فائل نوٹس میں سے کوٹ کیا ہے "موجودہ پردھان اچھو نے کیمینٹ کو فائل سے کوٹ کیا۔ یا تو انکو سو رس بنانا چاہیے تھا یا پھر اسے شیل پر رکھنا چاہیے تھا۔ آفیشیل سیکریسی ایکٹ کے مطابق وہ ایسا نہیں کر سکتے ہیں۔ فائل کی کوٹنگز وہ کیسے سدن میں کوٹ کر رہے ہیں۔ ہمیں ذرا ایسے بارے میں بتانیے انہیں سو رس بنانا چاہیے تھا کہ کہاں سے انکو یہ جانکاری ملی۔"

श्री सतीश अग्रवाल (राजस्थान): सोर्स बताना ज़रूरी नहीं है। मिनिस्टर्स की नोटिज वगैरह पर पूरा प्रिविलेज है मैम्बर्स को... (व्यवधान)...

SHRI MD. SALIM: He read out. He read out the comment. (Interruptions)

श्री सतीश अग्रवाल: यह परम्परा देवेगौड़ जी ने खुद खली है कि नोटिज पढ़े हैं उन्होंने हाउस में जो नहीं पढ़ने चाहिए थे, पेट्रोल की हाईक के संबंध में L... (व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: वे इस सदन में प्राइम मिनिस्टर की नोटिज क्वोट कर रहे हैं, उन्होंने पढ़ा है, मैं उसका विरोध कर रहा हूँ L... (व्यवधान)...

الاشرف محمد سليم: وہ اس سدن میں پرائم منسٹر کی نوٹس کوٹ کر رہے ہیں۔ انہوں نے پڑھا ہے میں اسکا اور وہ کر رہا ہوں۔"

† [ ] Transliteration in Arabic Script

SHRIMATI MARGARET ALVA  
(Karnataka): Madam, Vice-Chairman, I wish to state here that what the Prime Minister said was not out of context because he referred to the source from where he was quoting. There was nothing wrong in it. What we are asking the hon. Member is that he should give us the source from which he is quoting. You tell us the source, or, you should place it on the Table of the House, Madam, this kind of quoting from the Government files without, at least, having it authenticated, or, making a statement that this is from such and such source, is against the rules. The Prime Minister gave the source. There was nothing wrong in it

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे):** देखिए, मन्त्रीय सदस्य ने जो मुद्दा यहां पर उठाया है, वह बिलकुल उचित मुद्दा है। हम लोग सीक्रेसी की जो ओष लेते हैं, इसके मायने ये हैं कि फाइलों में जो लिखते हैं मंत्री जी या प्राइम मिनिस्टर, उसको कभी भी क्वोट इस बंग से नहीं किया जाता है। आपको यह कहना चाहिए था कि मेरी जानकारी है, मैं अपनी जानकारी के मुताबिक यह कह रहा हूँ। Otherwise, you have to place the document before the House. वे पूछ भी सकते हैं कि कहां से मिला है यह आपको? एक तो आप उसको क्वोट करिए या जो आपके पास डॉक्यूमेंट है, उसको आप रखिए।

**श्री महेश्वर सिंह:** यह मेरी जानकारी है मैडम।

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे):** फिर ठीक है, अगर आपकी जानकारी है तो ठीक है।

**श्री मोहम्मद सलीम:** 14 दिन में सब फाइलें जेरॉक्स कर लीं?

اشی محمد سلیم: ہر (دن میں سب فائلیں  
زیر و کس کر لیں۔†

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे):** 14 दिन की बात नहीं है। 13 दिन में क्या सारी बातें आप लोगों को पता लग गई कि यह लिखा हुआ था और आप यहां क्वोट भी कर सकते हैं सदन में? यह तो बड़ी अजीब बात कर रहे हैं आप यहां पर?

**श्री. महेश चन्द्र शर्मा (राजस्थान):** उपसभाध्यक्ष महोदय, एक ही प्रकार की घटना पर आपके स्टैंड दो तरह के कैसे हैं? आज से सात दिन पहले श्री सोमपाल ने प्राइम मिनिस्टर की हर कोर्टिंग को यहां क्वोट किया था तब मैंने आपसे कहा था कि यदि वह गुप्त तथ्य है तो यहां रखा जाना चाहिए था उन्हें वापस लेना चाहिए, तब आपने ऐसी कोई स्प्लिंग नहीं दी जैसी आज आप दे रही हैं?

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे):** देखिए, मैं न तो सोमपाल जी के दल की हूँ न तो मैं आपके दल की हूँ। जब मैं ... (जबबान)... सुनिए ... सुनिए ... आप जरा बात सुनिएगा। ... (जबबान)... मैंने अपनी बात छुप नहीं करी है। ... (जबबान) ... जब मैं यहां पर बैठी हूँ तो मुझे हमेशा अपने दल से ऊपर उठकर ... (जबबान)...

**श्री. महेश चन्द्र शर्मा:** मैडम, ... (जबबान)...

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे):** आप मेरी बात सुनेंगे या नहीं? मैंने कभी भी यह बात ध्यान में नहीं रखी कि सोमपाल जी ने क्या क्वोट किया है या आपने क्या क्वोट किया है? नियम के मुताबिक मुझे सदन की कार्यवाही चलानी होगी। जो आज मैंने महसूस किया है उस पर मैंने अपना अभिप्राय: आपको दिया और अगर आप आठ दिन पहले की बात पूछेंगे तो मुझे याद नहीं कि आपने क्या कहा था और उन्होंने क्या कहा था? प्लीज नारायणस्वामी .... दो नारायणस्वामी हैं एक कांग्रेस के और दूसरे तेलंगुदेशम के।

**श्री सतीश अग्रवाल:** आपको निर्णय त्रिरोधार्य है।

Need for completion of the bridge  
connecting West Godavari and  
East Godavari on river Vasista

SHRI YERRA NARAYANASWAMY  
(Andhra Pradesh): Madam Vice-Chairman, I am raising the issue of an incomplete major bridge connecting two districts of coastal Andhra Pradesh—the road bridge on Vasishtha Godavari at Chinchinada near Narsapur in West Godavari district—a joint venture between the Government of Andhra Pradesh and the ONGC on a fifty-fifty cost sharing basis.

Madam, the construction of the bridge was started five years ago and, so far, an amount of Rs. 14 crores has been spent on this work. The contractors of the bridge are the famous L & T company. Now the work has been stopped due to non-payment of its share by the ONGC.

† [ ] Transliteration in Arabic Script